



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 4
PART II—Section 4
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 16] नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 11, 1987/कार्तिक 20, 1909
No. 16] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 11, 1987/KARTIKA 20, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

रक्षा मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 नवम्बर, 1987

का. नि. आ. 21(अ).—सशस्त्र सेना (आपात इयूटियां) अधिनियम, 1947
(1947 का 15वां) की धारा 2 की उपधारा (1) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग
करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उत्तर प्रदेश में बिजली के उत्पादन, सप्लाई, प्रचालन

87/1581/GI

(I)

और अनुरक्षण से संबंधित या उसके अंग के रूप में किसी सेवा और बिजली घरों के संचालन से संबंधित प्रत्येक सेवा को समाज के लिए अत्यधिक महत्व की सेवाएं घोषित करती है।

[फा. सं. 1(89)/87/डी (जीएस-1)]

एस० के० मिश्रा, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF DEFENCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 11th November, 1987

S.R.O. 21 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 2 of the Armed Forces (Emergency Duties) Act, 1947 (15 of 1947), the Central Government hereby declares every service forming part of, or connected with, generation, supply, operation and maintenance of electricity and running of Power Houses in Uttar Pradesh to be a service of vital importance to the community.

[F. No. 1(89)/87/D(GS.I)]

S.K. MISRA, Jt. Secy.